**मेरी लगी श्याम संग प्रीत | Meri Lagi Shyam Sang Preet Lyrics**

मेरी लगी श्याम संग प्रीत !  
ये दुनिया क्या जाने !  
मुझे मिल गया मन का मीत !  
ये दुनिया क्या जाने !  
क्या जाने कोई क्या जाने !  
मेरी लगी श्याम संग प्रीत !  
ये दुनिया क्या जाने !  
मुझे मिल गया मन का मीत !  
ये दुनिया क्या जाने…!!

छवि लगी मन श्याम की जब से !  
भई बावरी मैं तो तब से !  
बाँधी प्रेम की डोर मोहन से !  
नाता तोड़ा मैंने जग से !  
ये कैसी पागल प्रीत ये दुनिया क्या जाने !  
ये कैसी निगोड़ी प्रीत ये दुनिया क्या जाने !  
क्या जाने कोई क्या जाने…!!

मोहन की सुन्दर सूरतिया !  
मन में बस गयी मोहनी मूरतिया !  
जब से ओढ़ी शाम चुनरिया !  
लोग कहे मैं तो भई बावरिया !  
मैंने छोड़ी जग की रीत ये दुनिया क्या जाने !  
क्या जाने कोई क्या जाने…!!

हर दम अब तो रहूँ मस्तानी !  
लोक लाज दीनी बिसरानी !  
रूप राशि अंग अंग समानी !  
हे रत हे रत रहूँ दीवानी !  
मई तो गाऊँ ख़ुशी के गीत ये दुनिया क्या जाने !  
क्या जाने कोई क्या जाने…!!

मोहन ने ऐसी बंसी बजायी !  
सब ने अपनी सुध बिसरायी !  
गोप गोपिया भागी आई !  
लोक लाज कुछ काम न आई !  
फिर बाज उठा संगीत ये दुनिया क्या जाने !  
क्या जाने कोई क्या जाने…!!

भूल गयी कही आना जाना !  
जग सारा लागे बेगाना !  
अब तो केवल शाम सुहाना !  
रूठ जाये तो उन्हें मनाना !  
अब होगी प्यार की जीत ये दुनिया क्या जाने !  
क्या जाने कोई क्या जाने…!!

हम प्रेम नगर की बंजारन !  
जप तप और साधन क्या जाने !  
हम शाम के नाम की दीवानी !  
नित नेम के बंधन क्या जाने !  
हम बृज की भोली गंवारनिया !  
ब्रह्म ज्ञान की उलझन क्या जाने !  
ये प्रेम की बाते है उद्धव !  
कोई क्या समझे कोई क्या जाने !  
मेरे और मोहन की बातें !  
या मै जानू या वो जाने !  
क्या जाने कोई क्या जाने…!!

शाम तन शाम मन शाम हैं हमारो धन !  
आठो याम पूछो हमें शाम ही सो काम हैं !  
शाम हिये शाम पिए शाम बिन नाही जिए !  
आंधें की सी लाकडी आधार शाम नाम है !  
शाम गति शाम मति शाम ही हैं प्राणपति !  
शाम सुख दायी सो भलाई आठो याम हैं !  
उद्धव तुम भये बवरे पाथी ले के आये दोड़े !  
हम योग कहा राखे यहाँ रोम रोम शाम है !

क्या जाने कोई क्या जाने !  
मेरी लगी श्याम संग प्रीत ये दुनिया क्या जाने…!!

**allbhajan.com**